Commemoration Of Dr.kalaignar

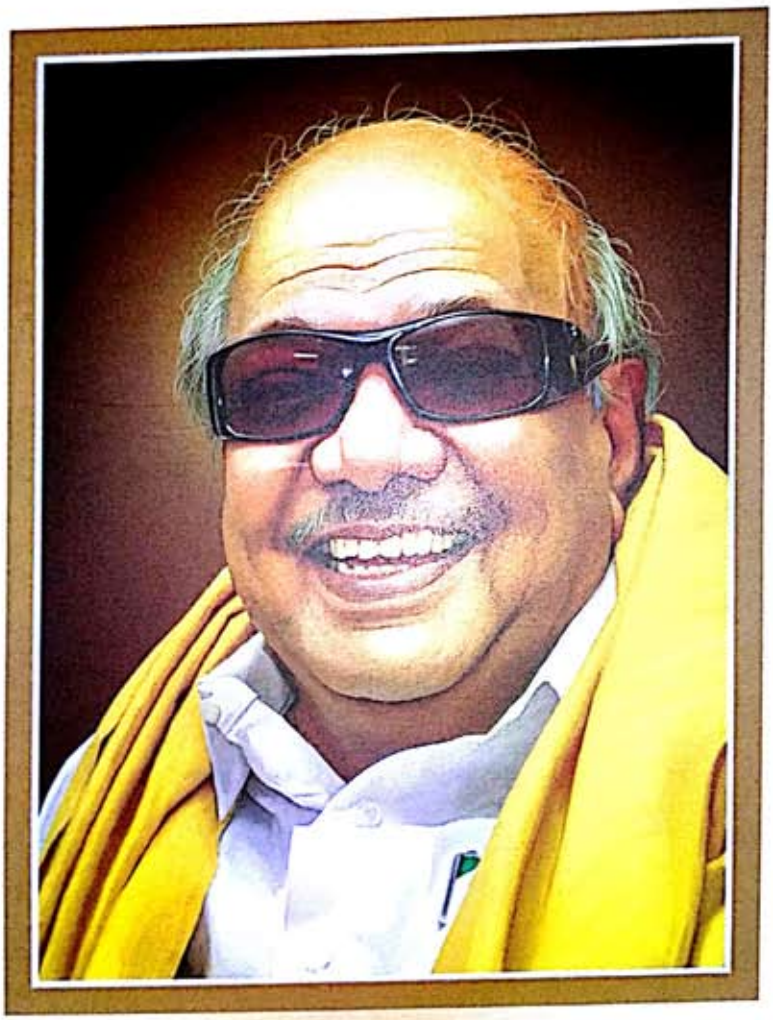

THE SOUTHERN SUN

MEETING OF NATIONAL POLITICAL LEADERS

Date : 30 - 8 - 2018, Thursday 4.00 PM

Venue : Y.M.C.A. Playground Nandhanam, Chennai.

Scanned by CamScanner

आज हम यहाँ एक बड़ी शख्सियत को श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित हुए हैं। डा० कलाईग्नर मुत्तुवेल करुणानिधि जी (Dr. Kalaignar Muthuvel Karunanidhi) तमिलनाडु में सामाजिक न्याय एवं समानता के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे। उन्होंने जीवन भर गरीब एवं पिछड़ों के हक की लड़ाई लड़ी। अपनी बात रखने की आजादी, लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा एवं सामाजिक बदलाव, करुणानिधि जी के राजनीतिक जीवन के अभिन्न अंग रहे। 07 अगस्त 2018 को उनके निधन की सूचना पाकर गहरा शोक हुआ। बिहार में हमने दो दिन का राजकीय शोक घोषणा की थी। मेरा मानना है कि तमिलनाडु के राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में एक युग का अंत हुआ है।

राजनीति में आने के पहले आदरणीय करुणानिधि जी तमिल फिल्मों में पटकथा लेखक के तौर पर कार्य करते थे। तमिल साहित्य एवं संस्कृति में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें हमेशा याद रखा जायेगा। कविता, कहानी, उपन्यास, मंच कथा, संवाद लेखन, गीत आदि के माध्यम से उन्होंने अपने राजनीतिक एवं सामाजिक विचारों को प्रसारित किया और इसके लिए उन्होंने तमिल सिनेमा का भी उपयोग किया। उनके लेख एवं कहानियों ने द्रविडियन आंदोलन से जुड़ी विचारधारा को विस्तार दिया। श्री करुणानिधि जी ने हमेशा सामाजिक मुद्दों जैसे छुआछूत, जमींदारी प्रथा, धार्मिक पाखंडों के विरोध तथा विधवा विवाह के पक्ष में काम किया।

करुणानिधि जी ने मात्र 14 वर्ष की आयु में द्रविदियन आंदोलन से जुड़ने के बाद लगभग 8 दशकों तक सक्रिय राजनीति में अपनी भूमिका निभाई। साथ ही 50 वर्षों तक वे डी0एम0के0 के अध्यक्ष के रूप में बने रहे, यह उपलब्धि किसी भी क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय पार्टियों से जुड़े नेता के लिए दुर्लभ है।

वर्ष 1967 में डी0एम0के0 अध्यक्ष श्री कांजीवरम् नटराजन् अन्नादुरै (Conjeevaram Natarajan Annadurai) जिन्हें सप्रेम 'पेरारिग्नर अन्ना' (Perarignar Anna) के तौर पर जाना गया, के नेतृत्व में श्री करुणानिधि जी पी०डब्ल्यू०डी० के मंत्री पद पर आसीन हुए। अपने पथप्रदर्शक के निधन के उपरांत वे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने और 1969 से 2011 के बीच पांच बार इस पद पर काबिज हुए।

करुणानिधि जी ने केन्द्र में सरकार के गठन में कई बार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने राजनैतिक कुशलता का परिचय दिया। आदरणीय वी.पी. सिंह जी के प्रधानमंत्रित्व काल में सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को मंडल कमीशन रिपोर्ट के अनुरूप आरक्षण नीति को लागू कराने में करुणानिधि जी ने अहम भूमिका निभाई। आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के प्रधानमंत्रित्व काल में "धर्मनिरपेक्ष न्यूनतम साझा कार्यक्रम" का प्रारूप तैयार करने में भी उन्होंने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सेल्फ रिस्पेक्ट आंदोलन से जुड़े नेता के रूप में उन्होंने संपत्ति में महिलाओं के समानाधिकार के लिए कानून बनाया, सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण दिया, पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की एवं महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण हेतु पहली बार तमिलनाडु में स्वयं सहायता समूहों के गठन में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने बुनकरों की आर्थिक स्थिति में सुधार एवं कल्याण के लिए अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन कराया। उन्होंने अपने कार्यकाल में वर्ष 1997 में टेक्सटाइल नीति भी बनाई ताकि बुनकरों की समस्याओं का समाधान ढूंढा जा सके। सरकार की धोती–साड़ी योजना एवं निःशुल्क यूनिफॉर्म योजना के क्रियान्वयन हेतु कपड़ों की खरीद प्राथमिक हथकरघा संघों से की गई, जिससे इस प्रक्षेत्र को काफी बढ़ावा मिला।

Scanned by CamScanner

मुख्यमंत्री के रूप में करुणानिधि जी ने न सिर्फ उद्योग एवं इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी प्रक्षेत्र का विकास किया बल्कि युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए भी प्रभावी प्रयास किये। उनके कार्यकाल में राज्य में आधारभूत संरचना एवं परिवहन क्षेत्र का भी काफी विकास हुआ। राज्य में नदियों को जोड़ने की कार्ययोजना की शुरुआत भी करुणानिधि जी के नेतृत्व में हुई थी। इनके शासनकाल में 1970 के दशक से ही ग्रामीण विद्युतीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।

हमने अप्रैल 2016 से बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की है। शराबबंदी के कारण राज्य में अभूतपूर्व सामाजिक परिवर्तन देखने को मिला है। पूर्ण शराबबंदी से समाज अधिक सशक्त, स्वस्थ एवं संयमी हुआ है। शराबबंदी के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य में बेहतरी, परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार, पारिवारिक हिंसा, घरेलू कलह एवं अपराध में कमी आयी है। हमने बिहार में महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शताब्दी समारोह मनाया। राज्य में लागू पूर्ण शराबबंदी बापू के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है। 2019 में देश गाँधी जी के जन्म की 150 वीं जयंती मनाने जा रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का सबसे बड़ा सम्मान यही होगा कि इस अवसर पर देश में शराबबंदी लागू की जाये।

डॉ करुणानिधि जी भी शराबबंदी के मुखर पक्षधर थे। उनका मानना था कि गरीब, मजदूर, किसान, विद्यार्थी सभी शराब की लत में फंसते चले जा रहे हैं। यहां तक कि महिलाएं एवं बच्चे भी इसके आदि हो गए हैं और अपने जीवन को दाँव पर लगा रहे हैं। डी0एम0के0 ने वर्ष 2016 में विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में भी शराबबंदी को प्रमुखता दी थी। बिहार में लागू शराबबंदी की भावना की प्रतिध्वनि करुणानिधि जी की घोषणा में परिलक्षित हुई थी जब उन्होंने कहा था –"अगर डी0एम0के0 सत्ता में वापस आई तो लोकहित में शराबबंदी को राज्यभर में लागू किया जायेगा"। उन्होंने एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि शराबबंदी जब बिहार में हो सकती है, तो तमिलनाडु में क्यों नहीं। उत्तराधिकारी के रूप में अब यह श्री एम०के० स्टालिन का दायित्व बनता है कि वे करुणानिधि जी की घोषणा को उसकी तार्किक परिणति तक पहुंचाएँ।

मैं पिछली बार 3 जून 2017 को चेनई आया था जब डी०एम०के० ने आदरणीय करुणानिधि जी के तमिलनाडु विधानसभा में सफलतापूर्वक 60 वर्ष पूरे होने पर उनके सम्मान में हीरक जयंती (डायमंड जुबिली) समारोह का आयोजन किया था। 3 जून 2017 श्री करुणानिधि जी का 94वां जन्मदिवस भी था। मेरा सौभाग्य था कि उस दिन मैं करुणानिधि जी से घर पर मिल सका।

श्री करुणानिधि जी के आदर्श एवं समाज हित में किए गए उनके कार्य राजनैतिक व सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। वे उन लाखों लोगों की यादों में बसते रहेंगे जिनके जीवन में उन्होंने बदलाव लाया। मुझे विश्वास है कि डी०एम०के० पार्टी श्री एम०के० स्टालिन के नेतृत्व में तथा श्री करुणानिधि जी के आदर्शों पर आगे बढ़ती रहेगी। मैं डी०एम०के० की माननीय सांसद सुश्री कनिमोझी जी का धन्यवाद करना चाहूँगा जिन्होंने मुझे इस अवसर पर बुलाया। अंत में मैं पुनः उस महान राजनेता को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ। हम उनको कभी भुला नहीं पायेंगे।

Scanned by CamScanner

Today we have gathered here to pay our respect to a tall personality and a great leader. Dr. Kalaignar M. Karunanidhi ji (डा० कलाईग्नर मुत्तुवेल करुणानिधि जी) was a crusader of social justice and equality. All his life he fought for the deprived and backward sections of the society. He was protector of freedom of speech, guardian of democratic rights and a social reformer. For decades he ensured progressive work both for the party and for the people of Tamil Nadu. I felt very sad on hearing the news of his demise on 7th August, 2018. In Bihar, we observed two days of state mourning. I believe that with his death an era has ended.

Before entering politics Karunanidhi ji's worked in the Tamil film industry as a screenwriter. He will be remembered for his rich contribution to Tamil literature and culture, having written poems, stories, plays, novels, biographies, dialogues and movie songs. He propagated his political and social ideas through Tamil cinema. He used his historical and reformist writings to spread the ideals and sentiments of the Dravidian movement. He worked tirelessly on social themes such as widow remarriage, abolition of un-touchability, zamindari system and religious hypocrisy.

Karunanidhi ji was in active politics for almost eight decades, joining the Dravidian movement when he was only 14 years old. He won all the elections that he contested to the Tamil Nadu Legislative Assembly. He completed 50 years as the President of the DMK- a rare achievement for any leader in any regional or national party in India.

Karunanidhi ji began his ministerial career as PWD Minister in 1967, under the great founder leader of the DMK, Respected C. N. Annadurai (श्री कांजीवरम् नटराजन् अन्नादुरै) fondly called as Perarignar Anna (पेरारिग्नर अन्ना). After his mentor passed away he became the Chief Minister and then held the post for five terms from 1969 to 2011.

He played an influential role in the implementation of Mandal Commission Report for securing the reservation for the socially and educationally backward classes, during the Prime Ministership of Respected V.P. Singh ji. He was actively involved in drafting a "secular common minimum programme" for the National Democratic Alliance headed by the then Prime Minister Respected Atal Bihari Vajpayee ji. His political statesmanship was quite evident in the formation of a number of Central Governments.

As a leader of the self-respect movement, he enacted a law for equal property rights to women, conferred 30 percent reservation to women in government employment, reserved 33 percent for women in Panchayat Raj Institutions and formed self-help groups for the first time in the State in 1989 to ensure economic independence for women.

Scanned by CamScanner

He implemented number of schemes for the development and welfare of weavers. During his tenure, a separate textile policy was launched in 1997 to mitigate the suffering of weavers. The procurement of textiles from primary handloom unions for the government's dhoti sari scheme and for free uniform scheme was successful.

As the Chief Minister, he not only engineered the growth of Industries including IT but also took effective steps to resolve the problem of unemployment among youth. Infrastructure development and transport sector witnessed extensive growth during his stints. He had commenced the river linking project for the first time in the State. Top most priority was given to rural electrification since 1970s itself.

In Bihar we have implemented Total Prohibition since April 2016. It is heartening to see a deep seated social transformation taking place in Bihar. It has led to a more empowered and healthy society, the desired effects of which are visible in the development of Bihar. Prohibition is resulting in healthy citizens, economic betterment of families and reduction in domestic violence and crimes. This was our tribute to Bapu when we celebrated the completion of 100 years of Mahatma Gandhi's Champaran Satyagraha in Bihar. Soon the nation will be celebrating the 150th birth anniversary of Gandhi ji in 2019. I firmly believe that there can be no greater reverence to father of the Nation Mahatma Gandhi if we implement Prohibition in the Country.

Respected Karunanidhi ji was also in favour of complete ban on liquor. He felt that that the poor, labourers, farmers and students are getting addicted to liquor and losing their lives; even women and children have become victims to this harmful habit. Prohibition was prominently mentioned in the manifesto of the DMK in 2016 Assembly Election. Echoing the sentiments of liquor ban in Bihar, he had announced "if the DMK came back to power it would take all steps to implement prohibition for social betterment." In an interview he had even said that if prohibition can be implemented in Bihar, then why not in Tamil Nadu. Now as a successor to the great leader, it is the responsibility of Shri M. K. Stalin to fulfill the wish of Karunanidhi ji.

Last time I visited Chennai on 3rd June, 2017 when DMK had organized a felicitation function in honour of M. Karunanidhi ji for completing 60 years (Diamond Jubilee) in the Tamil Nadu Legislative Assembly. 3rd June 2017 was also his 94th birthday. I was very fortunate to have met Karunanidhi ji at his residence on that day.

Karunanidhi ji's ideals and works will continue to inspire generations of political activists, social workers and leaders. He will continue to live on in the hearts and minds of the millions of people whose lives were transformed by him. I firmly believe that DMK will grow and flourish with the blessings of Karunanidhi ji and the able leadership of Shri M. K. Stalin. I thank, Ms. Kanimozhi, hon'ble M.P. of DMK for inviting me. In the end I again pay my tributes to the great leader and statesman. We will miss him dearly.

Scanned by CamScanner